

### **प्र**साघारण

# EXTRAORDINARY

भाग II--- खण्ड 3--- उपलण्ड (ii)

PART II-Section 3-Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाकित

## PUBLISHED BY AUTHORITY

सं 0 223

मई बिल्ली, बृहस्पतिबार, जुन 18, 1970/ज्ये**रठ 28, 1892** 

No. 223]

NEW DELHI, THURSDAY, JUNE 18, 1970/JYAISTHA 28, 1892

इस भाग में भिन्न पुष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह प्रस्ता संकलन के रूप में रखा जा सके। Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation.

#### MINISTRY OF IRRIGATION AND POWER

## NOTIFICATION

New Delhi, the 18th June 1970

S.O. 2196.—In exercise of the powers conferred by sub-clause (ix) of clause (a) of sub-section (1) of section 2 of the Essential Services Maintenance Act, 1968 (59 of 1968), the Central Government, being of opinion that strikes in any service connected with the supply of electrical energy to the public in the Siate of Assam or with the generation, storage or transmission of electrical energy for the purpose of such supply [not being any such service falling under sub-clause (vlii) of clause (a) aforesaid] would result in the infliction of grave hardship on the community, hereby declares every such service to be an essential service for the purposes of the said Act.

[No. EL.II.17(34)/70] V. V. CHARI, Secy.

# सिंचाई ग्रीर विद्युत मंत्रालय

# श्रिष्ठसूचना

नई दिल्ली, 18 जून 1970

कार थार 2196.—श्रावण्यक सेवा अनुरक्षण श्रधिनियम, 1968 (1968 का 59) की धारा 2की उपधारा (i) के खण्ड (क) के उपखण्ड (ix) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार जिसकी यह राय है कि असम राज्य में जनता को विद्युत शक्ति की श्रापूर्ति से या ऐसी भापूर्ति के प्रयोजनार्थ विद्युत शक्ति के उत्पादन भंडारकरण या संचरण से सम्बन्धित ऐसी किसी सेवा में

[जो उक्त प्रधिमियम के खण्ड (क) के उपखण्ड (Viii) के प्रधीन प्राने वाली सेवा न हो] हड़तालों के परिणामस्वरूप समुदाय को गम्भीर कठिनाई उत्पन्न हो आएगी, उक्त प्रधिनियम के प्रयोजनार्य हर ऐसी देवा को, एतद्द्वारा, ग्रायश्यक सेवा घोषित करती है।

[सं० ६० एल० II/17 (34)/70.] वी० वी० चारि, सचिव ।

#### ORDER

New Delhi, the 18th June 1970

**S.O.** 2197.—Whereas the Central Government is satisfied that in the public interest it is necessary to make the following order:

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 3 of the Essential Services Maintenance Act, 1968 (59 of 1968), the Central Government hereby prohibits strikes in any service in the State of Assam connected with the supply of electrical energy to the public or with the generation, storage or transmission of electrical energy for the purpose of such supply, which has been declared by the notification of the Government of India in the Ministry of Irrigation and Power, S.O. 2196 dated the 18th June, 1970, to be an essential service for the purposes of the said Act or which falls under sub-clause (viii) of clause (a) of sub-section (1) of section 2 of the said Act.

By order and in the name of the President.

[No. EL.II.17(34)/70.]V. V. CHARI, Secy.

## स्रादेश

नई दिल्ली, 18 जून 1970

शा॰ था॰ 2197.—यतः केन्द्रीय सरकार का यह समाधान हो गया है कि जन हित में निम्न-लिखित श्रादेश बनाना श्रावण्यक है :

ग्रतः, श्रव श्रावश्यक मेवा श्रनुरक्षण श्रधिनियम, 1968 (1968 का 59) की घारा 3 की उप-धारा (i) द्वारा प्रदत्त शिवत्यों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतदहारा श्रसम राज्य में ऐसी किमी सेवा में हड़तालों का प्रतिबंध करती है जो जनता को विद्युत शक्ति की श्रापृति से या ऐसी श्रापृतिं के प्रयोजनार्थ विद्युत शिवत के उत्पादन, भंडारकरण या संचरण से सम्बन्धित है और जो भारत सरकार के मिचाई और विद्युत मंत्र त्य की श्रधिम्चना, संब काव श्राव 2196 तारीख 18 जून, 1970 हारा उकत श्रधिनियम के प्रयोजनों के लिए श्रावश्यक सेवा घोषित की जा चुकी है या जो उक्त श्रधिनियम की धारा 2 की उपधारा (i) के खण्ड (क) के उप-खण्ड (Viii) के श्रधीन श्राती है।

राष्ट्रपति के नाम में श्रीर श्रादेश से ।

[सं० ई० एल० II/17(34)/70.] बी० बी० चारि. सचिव।